Dainik jagran Dt.18.10.2026

नकल रोकने के लिए होगी रिकार्डिंग

- स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने किया कुल्लू जिले का दौरा
- साई स्टार स्कूल ढालपुर व भुंतर में विद्यार्थियों से किया संवाद



स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा विद्यार्थियों के साथ ● सौ. पाठक

जागरण संवाद केंद्र, कुल्लू : स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने शनिवार को कुल्लू जिले का दौरा किया। उन्होंने साई स्टार स्कूल ढालपुर तथा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भुंतर में विद्यार्थियों और अध्यापकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों में लाइव निगरानी और आडियो विजुअल रिकार्डिंग के निर्देश दिए हैं। प्रश्नपत्रों में प्रश्नों के क्रम और संख्या में भी बदलाव किया जा रहा है।

बकौल राजेश, 2024 में नकल के 268 मामले सामने आए थे, जो इस बार घटकर 64 रह गए हैं। प्रदेश सरकार के निर्देश पर बोर्ड सरकारी और निजी स्कूलों का दौरा कर शिक्षा की जमीनी हकीकत जान रहा है। इससे पहले उन्होंने भरमौर, किन्नौर, कांगड़ा और धर्मशाला का दौरा किया है। इन दौरों का उद्देश्य सिर्फ निर्देश देना नहीं, बल्कि स्कूलों की समस्याओं को समझना और फीडबैक लेना है। कहा, शिक्षा सुधार के चार स्तंभ हैं विद्यार्थी, अध्यापक, अभिभावक और आम नागरिक। इन चारों के सहयोग से ही बेहतर शिक्षा व्यवस्था बन सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर कहा कि परीक्षा प्रणाली को रटने के बजाय समझ पर आधारित बनाया जा रहा है। प्रश्नपत्रों में तार्किक क्षमता, विश्लेषणात्मक कौशल और अवधारणात्मक समझ वाले प्रश्नों को बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए बोर्ड की वेबसाइट पर माडल प्रश्नपत्र भी उपलब्ध करवाए हैं। विद्यार्थियों को अधिकृत स्रोत से ही किताबें खरीदने और बिल लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ अंक लाना नहीं, बल्कि संस्कार और नैतिक मूल्यों का विकास भी है। पाठ्यक्रम में हिमाचल की संस्कृति, देवी-देवता परंपरा और स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अध्याय जोड़े जा रहे हैं।

Dainik jagran

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

बोर्ड अध्यक्ष बोले, इस साल गिरा नकल करने वालों का ग्राफ

कुल्लू। पीएम राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भुंतर का दौरा हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने किया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में नकल के 268 मामले सामने आए थे, जबकि इस बार इनकी संख्या घटकर 64 रह गई है। बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षाओं की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखना बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री सुक्खू का प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और परीक्षाओं में नकल के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने पर विशेष ध्यान है। शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिकता और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना आवश्यक है।

Dainik savera Dt:18.10.26

नकल पर लगाम ओर विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास पर दिया जोर



भुंतर में आयोजित कार्यक्रम में उपसीहीत प्रतिभागी।

सवेरा न्यूज/जसपाल कुल्लू: हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने शनिवार को कुल्लू के निजी स्कूल ढालपुर और पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भुंतर का दौरा कर शिक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत परीक्षा प्रणाली में सुधार, नकल पर लगाम और विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए लाइव निगरानी और ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग के कड़े निर्देश दिए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2024 के 268 मामलों के मुकाबले इस बार नकल के मामले घटकर मात्र 64 रह गए हैं। बोर्ड अध्यक्ष ने शिक्षा सुधार के चार प्रमुख स्तंभों—विद्यार्थियों, अध्यापकों, अभिभावकों और आम नागरिकों—की सहभागिता को आवश्यक बताया तथा पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। इसके अलावा, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए बोर्ड की टैगलाइन 'शिक्षा युक्त हिमाचल, चिट्टा मुक्त हिमाचल' निर्धारित की गई है।

डिजिटल अख़बार
पहली नज़र
सबसे पहले, सबसे तेज
पहली नज़र
आज की ताजा ख़बर देखते रहिए डिजिटल न्यूज़ पेपर पहली नज़र के साथ
17 अक्तूबर, 2026 www.pehalinazar.com pehalinazarhp@gmail.com

नकल रोकने के लिए लाइव निगरानी और ऑडियो-विज़ुअल रिकॉर्डिंग के निर्देश : डॉ राजेश शर्मा

बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के दिए उत्तर, उनकी जिज्ञासाओं का किया समाधान

पहली नजर ब्यूरो/कुल्लू

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शनिवार को साई स्टार स्कूल, ढालपुर तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भुंतर का दौरा कर विद्यार्थियों और अध्यापकों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अनुरूप प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे बदलावों, परीक्षा प्रणाली में सुधार, नकल पर अंकुश लगाने के लिए उठाए जा रहे कदमों तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा और नैतिक मूल्यों के विकास के लिए बोर्ड की प्राथमिकताओं की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें विषयों की गहन समझ विकसित करने तथा प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए प्रेरित किया।

डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों का दौरा कर रहा है, ताकि शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के साथ-साथ विद्यार्थियों, अध्यापकों और अन्य संबंधित पक्षों से सीधे फीडबैक प्राप्त किया जा सके। इन दौरों का उद्देश्य केवल निर्देश देना नहीं, बल्कि शिक्षण संस्थानों की समस्याओं को समझना, उपयोगी सुझाव प्राप्त करना और उनके आधार पर शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार करना भी है। उन्होंने बताया कि इस पहल के तहत उन्होंने भरमौर, किन्नौर, कांगड़ा और धर्मशाला का दौरा किया है तथा इसी क्रम में कुल्लू के शिक्षण संस्थानों में संवाद किया गया। आने वाले समय में प्रदेश के अन्य स्कूलों का दौरा भी किया जाएगा, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक स्तर पर संवाद और सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।



शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास

बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियां हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अच्छे संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। मुख्यमंत्री की सोच के अनुरूप बोर्ड पाठ्यक्रम में ऐसे अध्याय शामिल करने की दिशा में काम कर रहा है, जिनसे विद्यार्थियों को हिमाचल प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, देवी-देवताओं से जुड़ी परंपराओं और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान की जानकारी मिल सके।

उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक परंपराओं और देश के लिए योगदान देने वाले महान व्यक्तित्वों के बारे में जानकारी विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ उनमें जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना भी विकसित करती है। शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिकता, अनुशासन और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना आवश्यक है।

'शिक्षा युक्त हिमाचल, चिट्टा मुक्त हिमाचल'

डॉ. शर्मा ने युवाओं में नशे के बढ़ते प्रचलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें नशे से दूर रखने और सकारात्मक जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की टैगलाइन 'शिक्षा युक्त हिमाचल, चिट्टा मुक्त हिमाचल' रखी गई है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों को सही और गलत के बीच अंतर समझने, अपने भविष्य के प्रति जागरूक रहने तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देती है। विद्यालय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों का विकास युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में सहायक हो सकता है।

विद्यार्थियों से सीधा संवाद

दौरे के दौरान डॉ. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों और अध्यापकों के साथ संवादात्मक सत्र में भाग लिया। विद्यार्थियों ने शिक्षा व्यवस्था, पाठ्यक्रम और परीक्षा प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने उत्तर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन करने, विषयों की बुनियादी अवधारणाओं को समझने और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करने के लिए अध्यापकों से निरंतर संवाद बनाए रखने की सलाह दी।

Bhartendu shikhar Dt.18.10.26

टेट प्रभावित शिक्षकों के लिए स्पेशल टीईटी करवाने की मांग



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से जुड़ी समस्याओं से राहत दिलाने के लिए ज्वाइंट टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव हितेंद्र साहसी ने की। इस दौरान प्रभावित शिक्षकों के लिए विशेष टीईटी आयोजित करवाने की मांग उठाई गई।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आरटीई लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षक लंबे समय से शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में भी विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। फेडरेशन ने शिक्षकों के अनुभव और वर्षों की सेवाओं को ध्यान में रखते हुए उनकी समस्याओं का उचित समाधान करने का आग्रह किया। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और उचित कदम उठाने की दिशा में प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर टेट प्रभावित शिक्षक मोर्चा हिमाचल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरमेश लाल शर्मा सहित खेम दास महंत, कुसुम लता, दिनेश कुमार, मनोहर लाल शर्मा और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नकल रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर होगी लाइव निगरानी : डॉ. राजेश शर्मा

हिमाचल में नकल के मामलों में आई बड़ी कमी, 268 से घटकर 64 रह गए मामले

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने शनिवार को कुल्लू के साई स्टार स्कूल, ढालपुर और पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भुंतर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और अध्यापकों से संवाद कर शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे सुधारों, परीक्षा प्रणाली और नकल रोकने के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षा केंद्रों पर लाइव निगरानी और ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ. शर्मा ने बताया कि वर्ष 2024 में नकल के 268 मामले सामने आए थे, जबकि इस बार इनकी संख्या घटकर 64 रह गई है। उन्होंने कहा कि जनसहयोग और लोगों से मिली सूचनाओं ने भी नकल रोकने में



एनईपी-2020 के अनुरूप बदलेगा परीक्षा पैटर्न, रटने के बजाय समझ और तार्किक क्षमता पर रहेगा जोर

Bhartendu shikhar 18.10.26

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रश्नपत्रों में प्रश्नों के क्रम और संख्या में बदलाव जैसे उपाय भी अपनाए जा रहे हैं।

बोर्ड अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप परीक्षा प्रणाली को अधिक व्यावहारिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाया जा रहा है। प्रश्नपत्रों में अवधारणात्मक समझ, तार्किक क्षमता और विश्लेषणात्मक कौशल पर आधारित प्रश्नों को अधिक महत्व दिया जाएगा। विद्यार्थियों की तैयारी के लिए बोर्ड की वेबसाइट पर मॉडल प्रश्नपत्र भी उपलब्ध करवाए गए हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और प्रामाणिक पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करने तथा अधिकृत स्रोतों से पुस्तकें खरीदने की सलाह दी।

शिक्षा के साथ संस्कार व नशामुक्ति पर जोर

डॉ. शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। बोर्ड पाठ्यक्रम में हिमाचल की संस्कृति, देवी-देवताओं से जुड़ी परंपराओं और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को शामिल करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। उन्होंने 'शिक्षा युक्त हिमाचल, चिट्टा मुक्त हिमाचल' की टैगलाइन का उल्लेख करते हुए युवाओं को नशे से दूर रखने में शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के सहयोग से ही प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है।

The Sunny Times

HIMACHAL CRACKS DOWN ON CHEATING WITH LIVE SURVEILLANCE IN BIG SCHOOL REVAMP

The Sunny Times | Dharamshala |



Examination halls across Himachal Pradesh are heading into direct electronic surveillance as authorities roll out aggressive measures to wipe out academic malpractice. The Himachal Pradesh Board of School Education has mandated live webcasting and continuous audio visual recording across exam centers, leaving zero room for unfair means. Board Chairman Dr. Rajesh Sharma announced the crackdown during surprise inspection tours at schools in Kullu, including Sai Star School in Dhalpur and Government Senior Secondary School in Bhunter. The state has already recorded an impressive drop in cheating offenses, slashing caught cases from 268 in 2024 down to 64 this year. Beyond active video surveillance, the board is introducing jumbled question sequences and randomized numbering across papers to break traditional cheating syndicates.

The reforms extend deep into classroom learning and assessment methods under the National Education Policy 2020. Rote memorization is being phased out in favor of conceptual, high order thinking and logic driven questions tailored for competitive readiness. Fresh model test papers mirroring NCERT guidelines are already available online, giving students clear clarity on the updated formats.

Dr. Sharma anchored the systemic upgrade to an uncompromising social mission, rallying the education machinery around the battle cry of an educated Himachal free of synthetic drugs. The curriculum is set to integrate regional cultural heritage, revered local traditions, and the sacrifices of freedom fighters to foster integrity alongside sharp academic skills. Rigorous grassroots engagement across Kangra, Kinnaur, and Bharmour underscores that state authorities are fixing classrooms from the ground up, prioritizing transparent examinations, verified textbooks, and merit driven futures.

Amar Ujala Dt.19.10.2026

ब्रेन ऑफ हिमाचल के मेधावी सम्मानित

कांगड़ा (वि)। एस्पायर आईआईटी एंड मेडिकल द्वारा धर्मशाला में आयोजित समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। यह सम्मान एस्पायर संस्था की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 'ब्रेन ऑफ हिमाचल-2026' के तहत दिया गया।

समारोह में कांगड़ा और चंबा जिलों के प्रतिभाशाली छात्र शामिल हुए। कक्षा पांचवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों को पुरस्कार मिले। प्रत्येक कक्षा के शीर्ष 50 विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक प्रतिभा को पहचानना था। यह उनकी कड़ी मेहनत का



उत्सव भी था। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

एस्पायर ग्रुप के मुख्य सलाहकार डॉ. सुभाष गुप्ता के साथ मुख्य प्रबंधक सुरेंद्र सिंगटा और मुख्य विपणन अधिकारी प्रशांत शर्मा भी उपस्थित रहे।

एस्पायर धर्मशाला के केंद्र प्रमुख यादवेंद्र सैनी ने भी भाग लिया। एस्पायर हमीरपुर के केंद्र प्रमुख अमित सिंह भी उपस्थित रहे।

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

डीएलएड की 719 रिक्तियों के लिए 22 को मेगा काउंसिलिंग

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश में दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेंटरी एजुकेशन (डीएलएड) के सत्र 2026-2028 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को एक और अवसर मिलेगा। स्कूल शिक्षा बोर्ड ने चौथे चरण की काउंसलिंग के तहत 22 अक्तूबर को मेगा काउंसिलिंग आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में खाली पड़ी 719 सीटों को भरने के लिए यह प्रक्रिया बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सुबह 10 बजे से शुरू होगी। सीटों का आवंटन डीएलएड सीईटी-2026 की मेरिट और संबंधित संस्थानों में उपलब्ध सीटों के आधार पर किया जाएगा। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने ये जानकारी दी।

दिव्य हिमाचल E-Paper
देवभूमि का सर्वाधिक लोकप्रिय मीडिया

धर्मशाला में नवाजे 'ब्रेन ऑफ हिमाचल' के मेधावी

कांगड़ा-चंबा के होनहारों को मिला सम्मान, 10 जोनल टॉपर्स रहे आकर्षण का केंद्र



सम्मान समारोह में गणमान्यों के साथ मेधावी

स्टाफ रिपोर्टर– धर्मशाला

एस्पयार के 'ब्रेन ऑफ हिमाचल-2026' परीक्षा के कांगड़ा और चंबा जिलों के मेधावियों के लिए रविवार को धर्मशाला में पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रत्येक कक्षा के शीर्ष 50 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि दोनों जिलों के 10 जोनल टॉपर्स विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। धर्मशाला जोन में नौवीं कक्षा के साई अचिंत्य गुलेरिया ने पहला स्थान हासिल किया। उन्हें 21 हजार रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया। आठवीं कक्षा के जोनल टॉपर आशीष भारद्वाज को भी 21 हजार रुपए और दसवीं कक्षा के टॉपर निरल गुप्ता को 11 हजार रुपए की पुरस्कार दी गई। समारोह में स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। एस्पायर समूह के मुख्य सलाहकार डा. सुभाष गुप्ता, मुख्य प्रबंधक सुरेंद्र सिंगटा, मुख्य विपणन अधिकारी प्रशांत शर्मा, धर्मशाला केंद्र के प्रमुख यादवेंद्र सैनी और हमीरपुर केंद्र के प्रमुख अमित सिंह ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में पालमपुर जोन से पांचवीं कक्षा के शेवेन ग्रोवर, नगरोटा बगवां से जमा दो कक्षा के अमय शर्मा, कांगड़ा से दसवीं कक्षा के निरल गुप्ता, नूरपुर से आठवीं कक्षा के अन्वित, बैजनाथ से दसवीं कक्षा की इशनवी, जवाली से आठवीं कक्षा के आशीष भारद्वाज, चंबा नगर से पांचवीं कक्षा की शिवन्या ठाकुर, डलहौजी-बनीखेत से दसवीं कक्षा के अब्दुल्ला शरीक और सलूणी से दसवीं कक्षा के सारांश ने अपने-अपने जोन में शीर्ष स्थान झटका। एस्पायर समूह के मुख्य सलाहकार डा. सुभाष गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को क्षमताओं पर विश्वास रखते हुए लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। वहीं, मुख्य प्रबंधक सुरेंद्र सिंगटा ने कहा कि संस्थान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर मार्गदर्शन के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार कर रहा है। समारोह के दौरान छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर खूब तालियां बटोरीं।

पंजाब केसरी
MON,19 OCTOBER 2026
EDITION: KANGRA KESARI, PAGE NO. 4

बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में 22 अक्तूबर को चौथे चरण की काऊंसलिंग

निजी संस्थानों की 719 सीटें भरने को काऊंसलिंग, डी.एल.एड. में प्रवेश का मौका

धर्मशाला, 18 अक्तूबर (सुनील) : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमैंटरी एजुकेशन सत्र 2026-2028 में प्रवेश के लिए चौथे चरण की काऊंसलिंग का ऐलान कर दिया है। प्रदेश के निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में अभी भी 719 सीटें खाली पड़ी हैं, जिन्हें भरने के लिए 22 अक्तूबर को बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में मैरिट के आधार पर सीटों का आबंटन किया जाएगा।

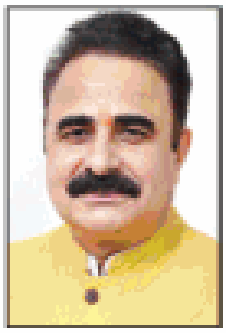

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि काऊंसलिंग प्रक्रिया पूरी तरह से डी.एल.एड. सी.ई.टी.-2026 की मैरिट के आधार पर संपन्न करवाई जाएगी। बोर्ड ने काऊंसलिंग के लिए चयनित अभ्यर्थियों की तिथिवार सूची और श्रेणीवार आरक्षित रिक्त सीटों का पूरा विवरण अपनी आधिकारिक वैबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

वैबसाइट से बायोडाटा फॉर्म डाऊनलोड करना और मूल दस्तावेज लाना अनिवार्य

काऊंसलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट से डाऊनलोड किया गया बायोडाटा फॉर्म भरकर साथ लाना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त, सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, हिमाचली बोनाफाइड, आरक्षित श्रेणी के प्रमाण-पत्र और जरूरी शपथ-पत्रों की मूल प्रतियों के साथ उनकी सत्यापित छायाप्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी।

बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि ई.डब्ल्यू.एस., ओ.बी.सी. और एक्स-सर्विसमैन के आश्रितों को निर्धारित प्रारूप के अनुसार सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र या शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा। दस्तावेजों में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है।

Amar Ujala Dt.19.10.2026

डीएलएड की खाली रही 719 सीटों के लिए 22 अक्तूबर को काउंसलिंग

स्कूल शिक्षा बोर्ड मुख्यालय में सुबह 10 बजे से शुरू होगी प्रक्रिया

धर्मशाला। प्रदेश में दो वर्षीय डिप्लोमा इन एलीमेंटरी एजुकेशन (डीएलएड) के सत्र 2026-2028 में प्रवेश के लिए चौथे चरण की काउंसलिंग 22 अक्तूबर को होगी। प्रदेश के निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में खाली पड़ी 719 सीटों को भरने के लिए हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड मुख्यालय धर्मशाला में सुबह 10 बजे से काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होगी। इसमें डीएलएड सीईटी-2026 में उत्तीर्ण घोषित अभ्यर्थी ही भाग ले सकेंगे।

शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि सीटों का आवंटन डीएलएड सीईटी-2026 की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। काउंसलिंग के लिए चयनित अभ्यर्थियों की सूची और रिक्त सीटों का ब्योरा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया है। अभ्यर्थियों को काउंसलिंग में पहुंचने से पहले अपनी पसंद के शिक्षण संस्थान का चयन करना होगा।

बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और पूर्व सैनिकों के आश्रितों को निर्धारित प्रारूप के अनुसार सक्षम अधिकारी की ओर से जारी संबंधित प्रमाणपत्र या आवश्यक शपथपत्र प्रस्तुत करना होगा।

उन्होंने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे काउंसलिंग में शामिल होने से पहले सभी दस्तावेजों की जांच कर लें, ताकि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। ब्यूरो

एलएलएम की खाली सीटों के लिए फिर मांगे आवेदन

शिमला। एचपीयू में एलएलएम की खाली सीटें भरने के लिए दोबारा आवेदन मांगे गए हैं। विश्वविद्यालय के विधि विभाग ने 17 अक्तूबर को इस संबंध में सूचना जारी की है। अभ्यर्थी 27 अक्तूबर तक आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के लिए अब इन खाली सीटों को भरना चुनौती होगी। प्रवेश प्रक्रिया के बाद सीटें रिक्त रहने के पीछे अभ्यर्थियों की कमी, पात्रता संबंधी शर्तें या प्रवेश लेने के बाद विद्यार्थियों के दूसरे संस्थानों का चयन करने जैसे कारण हो सकते हैं। संवाद

HP Board of School Education Announces Another Opportunity for D.El.Ed. Admissions; Counseling on October 22

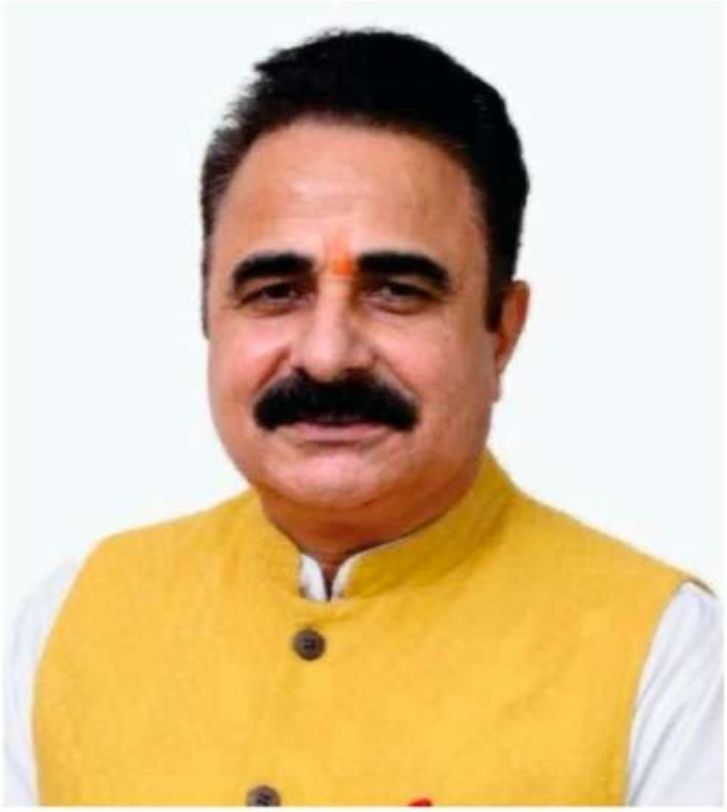

SANJAY AGGARWAL

DHARAMSHALA OCT 18 : There is significant and welcome news for young people in the state who aspire to become teachers. The Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) has announced a fourth round of counseling for admission to the two-year Diploma in Elementary Education (D.El.Ed.) program for the 2026–2028 session. With 719 seats still vacant across private, recognized educational institutions in the state, the Board will conduct seat allocation based on merit on October 22, 2026, at its headquarters in Dharamshala. Dr. Rajesh Sharma, Chairman of the Board, stated that this counseling process will be conducted strictly based on the merit list from the D.El.Ed. CET-2026 examination. The Board has uploaded the schedule-wise list of shortlisted candidates and the details of vacant seats—categorized by reservation status—to its official website. Dr. Sharma has advised candidates to decide on their preferred institution before arriving for counseling, as seat allocation will depend on availability at the chosen institution at the time of the process. Candidates participating in the counseling must arrive on time and be fully prepared. It is mandatory for candidates to download and complete the 'Bio-Data Form' from the Board's website and bring it with them. Additionally, candidates must carry the original copies—along with attested photocopies—of all academic certificates, their 'Bonafide Himachali' (state domicile) certificate, reserved category certificates, and any other required affidavits. The Board Chairperson has explicitly clarified that candidates belonging to the EWS (Economically Weaker Section) and OBC (Other Backward Classes) categories, as well as wards of ex-servicemen, must submit certificates or affidavits issued by a competent authority in the prescribed format. Submission of incorrect or flawed documents may adversely affect a candidate's candidature.